

B. A. 3rd Semester (Honours) Examination, 2020 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : Sec-I

Time : 2 Hours

Full Marks : 40

*The figures in the margin indicate full marks. Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.*

प्रश्नपत्रेऽस्मिन् Group-'A' and Group-'B' इति विभागद्वयं वर्तते। प्रथमतः परीक्षार्थिभिः सावधानतया स्मर्यते एको विभागो निश्चेतव्यः। ततश्च यथानिर्देशं प्रश्नाः समाधातव्याः।

এইপ্রশ্নপত্রে Group-'A' and Group-'B' -এই দুটি বিভাগ বর্তমান। পরীক্ষার্থীরা উল্লিখিত দুটি বিভাগের মধ্যে তাদের পঠিত একটি বিভাগ থেকে প্রশ্নগুলির উত্তর দেবে।

### Group-A

#### Basic Sanskrit

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु अष्टानां प्रश्नानामुत्तरं प्रदेयम्। तेषु द्वयोः प्रश्नयोः समाधानं सुवगिरा कर्तव्यम्।  
5×8=40  
निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যেকোন আটটি প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। তাদের মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।
  - a) निम्नलिखितेषु पदेषु पक्षानां पदानां वचनं विभक्तिश्च निरूपयत।  
1×5=5  
निम्नलिखित पदগুলির মধ্যে যেকোন পাঁচটি পদের বচন ও বিভক্তি নির্ণয় করো।  
मधुनि, दग्धा, मतये, दुहितरि, साधुन्, सखा, स०।
  - b) निम्नलिखितेषु पक्षानां शब्दानां सप्तम्यैकवचनरूपं लिखत।  
1×5=5  
निम्नलिखित शब्दগুলির মধ্যে যেকোন পাঁচটি শব্দের সপ্তমী বিভক্তির একবচনের রূপ লেখো।  
पति, धेनु, पक्षन्, युत्पाद्, सुधी, धातृ, फल।
  - c) अधस्तनेषु पक्षानां लङ् उन्तमपुरुषद्विवचनरूपं लेखनीयम्।  
1×5=5  
নিম্নলিখিত ধাতুগুলির মধ্যে যে-কোন পাঁচটি ধাতুর লঙ্-লকারের উত্তমপুরুষের দ্বিবচনের রূপ লেখো।  
पठ्, वृ०, डू, सेव्, कृ, दा, ज्ञा



- d) प्रदन्तेषु धातुरूपेषु पञ्चानां पुरुषां वचनानि निर्दिशत। 1×5=5  
निम्नलिखित धातुरूपগুলির মধ্যে যেকোন পাঁচটি ধাতুরূপের পুরুষ ও বচন নির্ণয় করো।  
জনীহি, শৃঙ্খতি, দত্তঃ, লক্ষ্মো, অসেবেথাম্, অভবঃ, অগচ্ছত। 5
- e) ब्राह्मीलिप्यां तालव्यवर्णाः लेख्याः। 5  
তালব্যবর্ণগুলি ব্রাহ্মীলিপিতে লেখো।
- f) अधोलिखितेषु पदेषु ब्राह्मीलिपिमाश्रित्या पञ्च पदानि लिख्याताम्। 1×5=5  
নিম্নলিখিত পদগুলির মধ্যে যেকোন পাঁচটি পদকে ব্রাহ্মীলিপিতে রূপান্তরিত করে লেখো।  
পিপাসতি, রাজপুরুষঃ, মাতাপিতরৌ, নদীমাতৃকঃ, যথাশক্তি, বীণাপাণিঃ, জলাগমঃ। 5
- g) संस्कृतभाषया अनुवादः करणीयः। 5  
সংস্কৃতভাষায় অনুবাদ করো।  
অন্ধকার দূরীভূত হয়েছে। সূর্যের আলো পৃথিবীতে ছড়িয়ে পড়েছে। আমরা সবকিছু দেখতে পাচ্ছি। এখন সকাল।  
পাখীরা কুজন করছে। গাছে গাছে ফুল ফুটেছে। আহা! সকাল কি মনোরম! 5
- h) मातृभाषायामनुवादताम्।। 5  
মাতৃভাষায় অনুবাদ করো  
সোহপি কৰ্কটস্ত্রৈব স্থিতঃ সন্ সৰ্পপ্রাণানপাহরৎ। ব্রাহ্মণোহপি যাবৎ প্রবুদ্ধঃ পশ্যতি তাবৎ সমীপে কৃষ্ণসর্পো  
নিজপার্শ্বে কপূরপুটিকোপরি মৃতস্তিষ্ঠতি। তং দৃষ্ট্বা ব্যচিন্তয়ৎ কৰ্কটেনায়ং হতঃ। 5
- i) सरलसंस्कृतेन व्याख्या कार्या। 5  
সরল সংস্কৃতভাষায় ব্যাখ্যা করো  
মন্ত্রে তীর্থে দ্বিজৈ দেবে দৈবজ্ঞৈ ভেষজৈ গুরৌ।  
যাদৃশী ভাবনা যস্য সিদ্ধির্ভবতি তাদৃশী।।
- j) ब्रह्मदन्तः कुत्र प्रतिवसति स्म? स कथं ग्रामान्तरं प्रस्थितः? ग्रामयात्राकाले ब्रह्मदन्तो मात्रा कथमुपदिष्टः?  
1+2+3=5  
ব্রহ্মদন্ত কোথায় বাস করত? সে কেন গ্রামান্তরে প্রস্থান করেছিল? গ্রামে গমনকালে মা ব্রহ্মদন্তকে কী উপদেশ  
দিয়েছিল?



Group-B

Ethical and Moral Issues

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु अष्टानां प्रश्नानामुत्तरं प्रदेयम्। तेषु द्वयोः प्रश्नयोः समाधानं सुरगिरा कर्तव्यम्। 5×8=40
- निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যেকোন আটটি প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। তাদের মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে। 5
- a) मातृभाषया अनुवादो विधेयः।  
मातृभाषाय अनुवाद करो  
प्राणा यथाह्वानोहंभीष्ठा भूतानामपि ते तथा।  
आह्वोपम्येन भूतेषु दयां कुर्वन्ति साधवः॥ 5
- b) व्याख्या कार्या—  
व्याख्या करो—  
असम्भवं हेममृगस्य जन्म  
तथापि रामो लुलुभे मृगाय।  
प्रायः समापन्नविपत्तिकाले  
धिरोहपि पुंसां मलिना भवन्ति॥ 1×5=5
- c) यथोपयुक्तं पदं योजयित्वा रिक्तस्थानानि पूरणीयानि।  
यथोपयुक्त पद দিয়ে শূন্যস্থান পূরণ করো।  
(পুণ্যবান্, পরার্থে, পাপস্য, শরীরস্য, পশ্যতি)  
i) लोभः\_\_\_\_\_कारणम्।  
ii) \_\_\_\_\_ गुणानां दूरमत्यन्तमन्तरम्।  
iii) धनानि जीवितकैव\_\_\_\_\_ प्राञ्ज उंसृजेत्।  
iv) यस्य मित्रेण সংলাপস্ততো নাস্তীহ\_\_\_\_\_।  
v) आश्वबं सर्वभूतेषु यः\_\_\_\_\_ स पण्डितः।
- d) 'लिखितमपि ललाटे प्रोज्ज्वितुं कः समर्थः' इति चिन्तनं केन कथं कृतम्? इति पठितकथामाधारीकृता वर्णयत। 1+4=5  
'लिखितमपि ललाटे प्रोज्ज्वितुं कः समर्थः'—एह चिन्ताटि के केन करेछे ता पठित कथाके अनुसरण करे वर्णना करे।

- c) 'तन्मे प्राणव्यायेनापि जीवयैतान् ममाश्रितान्' इत्युक्तिः केन कथं कृता? 1+4=5  
'तन्मे प्राणव्यायेनापि जीवयैतान् ममाश्रितान्'—एह उक्तिः के केन करेछे? 5
- f) मातृभाषायामनुवादताम्—  
मातृभाषाय अनुवाद करो।  
न बध्यस्ते हविश्वस्ता बलिभिर्दुर्वला अपि।  
विश्वस्तास्तेषु बधस्ते बलवन्तोऽपि दुर्वलेः॥ 5
- g) व्याख्या करणीया।  
व्याख्या करो  
न तच्छस्त्रैर्न नागैस्त्रैर्न हयैर्न पदातिभिः।  
कार्यं संसिद्धिमभोति यथा बुद्ध्या प्रसादितम्॥ 1x5=5
- h) यथोपयुक्तं पदं योजयित्वा रिक्तस्थानानि पूरणीयानि। 1x5=5  
यथोपयुक्त पद दिऐ शून्यस्थान पूरण करो।  
(मनुना, प्रियदर्शनम्, चित्तान्तः, विश्वासं, नीरोगः)  
i) न \_\_\_\_\_ विना शत्रुर्देवानामपि सिध्यति।  
ii) सर्वदेवमयो राजा \_\_\_\_\_ सम्प्रकीर्तितः।  
iii) यथा नेच्छति \_\_\_\_\_ कदाचिं सूचिकिं सकम्।  
iv) न कथंकिंन्महीपस्य \_\_\_\_\_ केनचिं क्चिं।  
v) अमृतं शिशिरे बहिरमृतं \_\_\_\_\_।  
i) 'पिङ्गलक आह सभयम्—सत्यां ज्ञातं मयाधुना'—इतए किं सत्यां पिङ्गलकेन ज्ञातम्? इति 5  
यथाग्रन्थमालोचयत।  
'पिङ्गलक आह सभयम्—सत्यां ज्ञातं मयाधुना'— एथाने केन सता पिङ्गलकेर द्वारा ज्ञात हयेछे ता  
ग्रन्थानुसरणे आलोचना करो।  
j) शृगालः कथं ब्रह्महृदयोऽभवत्? 5  
शृगाल केन डय पेयेछिल?